सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 102 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 16 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता, और भाईचारा सिखायें।
-बी.आर. अम्बेडकर

शेफाली वर्मा का वनवास समाप्त... 7 | बायकॉट तुर्की का बढ़ता... 3 | शांति जरूरी लेकिन संप्रभुता सबसे... 2

4PM के बाद गुजरात समाचार और जीएसटीवी पर बड़ी कार्रवाई

चैनल ने सरकारी भ्रष्टाचार की रिपोर्ट्स को किया था प्रकाशित

» आईटी और ईडी की रेड
» एक बार फिर मीडिया की आवाज को दबाने की कोशिश
» पूर्व में भी इस प्रकार की कार्रवाइयां दर्जनों मीडिया संस्थानों पर हो चुकी हैं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक बार फिर मीडिया की आवाज को दबाने के लिए सरकारी छापेमारी अभियान शुरू किया गया है। इस बार निशाना गुजरात समाचार और जीएसटीवी है जहां आइटी की टीम ने गुजरात समाचार और जीएसटीवी से जुड़े लोगों और उनके व्यवसायिक ठिकानो पर सर्च के नाम पर छापा मारा।

यह सर्च आपरेशन 36 घंटे से ज्यादा समय तक के लिए चला। छापेमारी के पीछे दावा किया गया कि टैक्स चोरी और संदिग्ध विदेशी फंडिंग की जांच चल रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वाकई यह महज़ वित्तीय जांच है? या फिर एक बड़े राजनीतिक समीकरण का हिस्सा, जिसमें सत्ताधारी दल के खिलाफ बोलने वाले मीडिया घरानों को ख़ामोश किया जा रहा है?

4PM ने जीती है लड़ाई

सनद रहे कि देश के लोकप्रिय न्यूज नेटवर्क 4पीएम पर भी हाल ही में ?सरकार की ओर से डिजिटल स्ट्राइक की गयी थी। लाखों फालोवर्स वाले उसके यूट्यूब चैनल को बंद कर मीडिया की सशक्त आवाज का बंद करने का असफल प्रयास किया गया था। चैनल के संपादक संजय शर्मा झुके नहीं और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी। जीत हमेशा सच की ही होती है और 4पीएम की भी जीत हुई और सरकार को बैन को हटाना पड़ा।

गुजरात समाचार के मुताबिक

गुजरात समाचार और जीएसटीवी के संचालको की माने तो आइपीओ वाले केस को लेकर सेबी से पत्राचार चल ही था। लंबे समय से सेबी की तरफ से भी कोई आदेश के पत्र व्यवहार नही हुआ था। यानी मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। सवाल यह उठता है कि जब सेबी के पास ही केस चालू था तो फिर अचानक ईडी की कार्यवाही क्यो हुई। जिस तरह से बाहुबली शाह की गिरफ्तारी हुई इससे सीधा संदेश जाता है कि सत्ता पक्ष गुजरात समचार और जीएसटीवी की आवाज जोकि जनता की आवाज है उसे दबाना चाहती है।

तय करना होगा कि सवाल पूछें या फिर खामोश रहें

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। लेकिन जब यह स्तंभ सरकारी बुलडोज़र के निशाने पर हो तो पूरी इमारत डगमगाने लगती है। गुजरात समाचार और जीएसटीवी पर छापे इस खतरे की घंटी हैं कि भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अब एक कानूनी किताब की परिभाषा भर रह गई है जमीन पर उसका वजूद खतरे में है। इस संकट के समय पत्रकारों को और नागरिक समाज को और आम लोगों को यह तय करना होगा कि वे चुप रहेंगे या सवाल पूछने वालों के साथ खड़े होंगे। क्योंकि यदि आज मीडिया चुप हो गया तो कल जनता की आवाज़ भी खो जाएगी।

टाइम मैनेजमेंट पर सवाल

गौरतलब है कि ये छापे उस वक्त मारे गये हैं जब गुजरात समाचार ने हाल ही में मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े कथित घोटालों पर एक स्टिंग ऑपरेशन प्रकाशित किया था। जीएसटीवी ने कुछ विपक्षी नेताओं के इंटरव्यू और रिपोर्ट्स को प्रमुखता से दिखाया था जिसमें सरकार की आलोचना हुई थी। राज्य में लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच मतदाता जागरूकता और ईवीएम से जुड़ी कुछ रिपोर्ट्स इन चैनलों द्वारा चलाई जा रही थीं। चैनल का कहना है कि यह पैटर्न कोई नया नहीं। हम इस छापेमारी से डरने वाले नहीं हैं। क्योकि इससे पहले बहुत से न्यूज चैनल और अखबरों से जुड़े लोगों पर इस प्रकार की कार्रवाई हो चुकी है।

कुछ नहीं मिला तो...

आईटी ने अखबार समुह के मालिको के परिवार के कई सदस्यो को इन्टेरोगेट किया। सभी जगह पर सर्च किया। पर कहीं कोई आपत्तिजनक चीज नहीं मिली जिस पर केस बने। 36 घंटे के मैराथन छापे के बाद भी जबकुछ नहीं मिला तो टीम ने यह बाद उच्चाधिकारियों को बाताई और छापेमारी की कार्रवाई को बंद कर जैसे ही बाहर निकले। वैसे ही जीएसटीवी के परीसर की ईडी की टीम एन्ट्री हो गयी। ईडी ने 9 वर्ष पुराने एक केस को आधार बना कर गुजरात समाचार के 73 वर्षीय बाहुबली शाह को गिरफ्तार कर लिया। बाहुबली शाह वैसे ही हार्ट पेशेन्ट है, आचानक हुई कार्यवाही से उनकी तबियत खराब हो गयी जिन्हें अहमदाबाद के निजी अस्पताल मे एडमिट करा दिया गया है, फिलहाल उनकी तबियत डॉक्टरो के अनुसार स्टेबल बताई जा रही है।

शांति जरूरी लेकिन संप्रभुता सबसे ऊपर : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- भारत के अंदरूनी मामलों में किसी दूसरे देश का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कहा है कि देश के लिए शांति सर्वोपरि है लेकिन संप्रभुता सबसे ऊपर है। भारत के अंदरूनी मामलों में किसी दूसरे देश का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है, यही हमारे संविधान और लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। संप्रभुता हमारी सबसे बड़ी पहचान है।

सपा प्रमुख ने अमेठी में मीडिया से बात करते हुए बयान जारी किया है कि सीमाएं सुरक्षित रहें और देश आर्थिक रूप से शक्तिशाली बने इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने पड़ेंगे। सरकार सीमाओं की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम करें, जिससे फिर किसी तरह की घुसपैठ और सुरक्षा में चूक न हो। सीमा पर सुरक्षा इंतजाम इतना बेहतर होना चाहिए जिससे चूक की कोई गुंजाइश न हो।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नारी शक्ति वंदन अभियान जैसी झूठी घोषणाओं का सच ऐसे लोगों के दुष्विचार खोल देते हैं। ऐसे लोग मंत्री तो क्या किसी गली-मोहल्ले तक के जनप्रतिनिधि लायक नहीं है। सवाल यह है कि इन्हें भाजपा वाले स्वयं हटायेंगे या इनके खिलाफ एकजुट नारी शक्ति और जनता हटायेगी। इस अवसर पर एक सवाल के जवाब में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अमेठी में गुमशुदा है। जब भाजपा ही भाजपा की सगी नहीं है तो उनके साथ गये दल बदलू और एहसान फरामोश लोगों के लिए भाजपा कितना सगी होगी। जिन लोगों ने समाजवादी पार्टी से पाला बदलकर धोखा दिया है। अब वह दोबारा नहीं जीत पाएंगे, क्योंकि वे एहसान फरामोश, दगाबाज और दल बदलू हैं। ऐसे लोगों की कहीं जगह नहीं होती है।

बीजेपी चूक, फूट और लूट के लिए जानी जाएगी

सपा प्रमुख ने कहा कि सीमाएं जितनी सुरक्षित होंगी देश उतना आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पहले भी सुरक्षा में कई बार चूक हो चुकी है। भाजपा सरकार चूक, फूट, और लूट के लिए जानी जाएगी।अखिलेश यादव ने कहा कि जश्न जीत का मनाया जाता है, सीज का नहीं। भाजपा के लोग देश की जनता को धोखा देना चाहते है। जनता जागरूक और समझदार है। समय आने पर भाजपा को सबक सिखाएगी।

कर्नल सोफिया पर बयान देना गलत

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के भाजपा सरकार के मंत्री की शर्मनाक टिप्पणी और बलिया के बीजेपी नेता के वायरल वीडियो से भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा जनता के सामने उजागर हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं का यह चरित्र और चेहरा कोई पहली बार नहीं दिखाई दे रहा है। ये लोग हमेशा से ही ऐसा करते रहे हैं। भाजपा का नारी वंदन सिर्फ नारों में है। जब नारी सम्मान और रक्षा की बात आती है तो भाजपा का असली चेहरा उजागर हो जाता है।

बेहूदा बयान है बीजेपी मंत्री का

अखिलेश यादव ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी सेना के सैन्य अभियान को देश और दुनिया के सामने लगातार ब्रीफ कर रही थीं। सेना के सैन्य अभियान की ब्रीफिंग करने वाली बहादुर कर्नल के बारे में भाजपा सरकार के मंत्री का इस तरह का बयान बेहद निंदनीय है। भाजपा के मंत्री का बयान केवल एक उच्च सैन्य महिला अधिकारी का ही नहीं बल्कि देश की हर नारी का अपमान है। भाजपा के ये मंत्री सदैव से भाजपाई और उनके संगी साथियों के नारी विरोधी सोच के मुखपत्र रहे हैं। कुछ वर्षों पहले इन्होंने देश की एक प्रतिष्ठित अभिनेत्री के कार्य में बाधा डाली थी। अगर उसी समय कार्रवाई हो गयी होती तो आज उन्हें कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने का मौका नहीं मिलता।

इस्लामाबाद पर कब्जे की खबरें चलाने वाले चैनलों से मुझे कोई शिकायत नहीं : रामगोपाल

» एक्स पर पोस्ट कर सपा नेता ने सीएम योगी से पूछे सवाल-बिना पढ़े ही शेयर कर दी पोस्ट

» यूपी में जाति के नाम पर बढ़ रहे हैं अत्याचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने सीएम योगी को घेरते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा है कि मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जिस मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों पर अकल्पनीय अत्याचार हो रहे हों, उन्होंने मेरा पूरा बयान बगैर सुने ही पोस्ट कर दिया।

सपा के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने उपर लग रहे आरोपों के जवाबों के क्रम में कहा है कि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में विशेषकर उत्तर प्रदेश में जहां धर्म, जाति और वर्ग देखकर लोगों पर फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर एनकाउंटर किए जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर गैंगस्टर लगाकर संपत्ति जब्त की जा रही हो, जाति धर्म और वर्ग देखकर महिलाओं पर अत्याचार किए जा रहे हों, जाति धर्म और वर्ग देखकर कर्मचारियों और अधिकारियों की पोस्टिंग की जाती हो, ऐसी विकृत मानसिकता के लोगों के बारे में कल मैंने एक कार्यक्रम में कहा था कि कर्नल सोफिया का धर्म नाम से पहचान लिए जाने के कारण गाली दी गई।

विदेश सचिव को भी बीजेपी के लोगों ने दी गालियां

विदेश सचिव मिस्री को गाली दी गई। अगर इन गालीबाजों को ये पता चल जाता कि व्योमिका सिंह जाटव हैं और एयर मार्शल अवधेश भारती यादव हैं तो ये इन अफसरों को भी गालियां देने से बाज नहीं आते। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जिस मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों पर अकल्पनीय अत्याचार हो रहे हों, उन्होंने मेरा पूरा बयान बगैर सुने ही पोस्ट कर दिया। जिन मीडिया चैनलों ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी पर कब्जा कर लिया था उनसे मुझे कोई शिकायत नहीं है क्योंकि उन पर सत्ता पक्ष के अलावा किसी को विश्वास नहीं है। सपा के महासचिव रामगोपाल यादव ने एक जनसभा के दौरान विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया था। बयान के बाद उन्हें पूरे देश में आलोचना झेलनी पड़ रही है। रामगोपाल भाषण के दौरान व्योमिका सिंह का नाम भी भूल गए थे और कई बार उन्हें दिव्या के नाम से पुकारा था।

कर्नल सोफिया के समर्थन में सपा का पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के दफ्तर के बाहर पोस्टर पॉलिटिक्स का एक और अध्याय जुड़ा है। पार्टी मुख्यालय के बाहर एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है जिसमें मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह के बयान की कड़ी निंदा की गई है। इस पोस्टर में खासतौर पर महिला सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी को मुद्दा बनाया गया है।

सपा नेता मोहम्मद इकलाख द्वारा लगाए गए इस पोस्टर में एक स्पष्ट संदेश दिया गया है कि हिंदू-मुस्लिम के नाम पर न बटेंगे न बाँट सकोगे। पोस्टर में आगे लिखा गया है कि हर हिंदुस्तानी का हौसला नफ़रत की सियासत के खिलाफ है। यह सीधा हमला भाजपा की कथित विभाजनकारी राजनीति और विजय शाह के विवादित बयान पर है जिसे हाल ही में देश भर में व्यापक आलोचना का सामना करना पड़ा। सपा नेता इकलाख ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, देश की बेटी और एक सम्मानित सैन्य अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग सिर्फ सत्ता के घमंड का परिचायक नहीं है बल्कि देश की अस्मिता का भी अपमान है। भाजपा को पूरे देश से माफ़ी मांगनी चाहिए। यह चुप रह जाने का वक्त नहीं है।

सपा नेता मोहम्मद इकलाख ने लगाया पोस्टर, बीजेपी को घेरा

पोस्टर लगने के बाद समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा विरोधी नारेबाजी की और मांग की कि विजय शाह को तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए। पार्टी प्रवक्ताओं ने इसे केवल एक महिला अधिकारी का अपमान नहीं बल्कि देश की सेना और हर जागरूक नागरिक का अपमान करार दिया।

सपा का यह पोस्टर एक रणनीतिक जवाब माना जा रहा है जो न केवल भाजपा की कथित सांप्रदायिक राजनीति पर सवाल उठाता है, बल्कि पार्टी को महिला सम्मान सेना के गौरव और सामाजिक एकता जैसे मुद्दों पर घेरे में लाने का प्रयास करता है। अब देखना यह है कि भाजपा इस आरोपों की राजनीति को कैसे जवाब देती है सवाल सिर्फ एक पोस्टर का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो देश की एकजुटता को चुनौती देती है।

विश्लेषकों की राय

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि समाजवादी पार्टी इस घटना के जरिए भाजपा की राष्ट्रवाद की छवि पर चोट करना चाहती है और इसके जरिये अल्पसंख्यकों महिलाओं तथा प्रगतिशील वर्ग को संदेश देना चाहती है कि वास्तविक राष्ट्रवाद का अर्थ समानता और सम्मान है न कि विभाजन और अपमान। विजय शाह का बयान, जिसमें उन्होंने कर्नल सोफिया की भूमिका और उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए थे हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर भी विवाद का विषय बन चुका है। इस पर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने भी आपत्ति जताई है।

तुर्किये से आयातित सेब पर लगे प्रतिबंध : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धर्मशाला। सिटीजन फॉर नेशनल सिक्योरिटी के बैनर तले भाजपा ने वीरवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के अवसर पर कोतवाली के चीलगाड़ी रोड से कचहरी चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, प्रदेश महामंत्री त्रिलोक कपूर और कांगड़ा-चंबा के प्रभारी विपिन परमार विशेष तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए यात्रा में भाग लेने वाले लोगों ने खूब नारेबाजी की।

तिरंगा यात्रा के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आतंकवाद फैलाने वाले देश पाकिस्तान की मदद करने वाले तुर्किये पर हिमाचल सरकार को कड़ी कार्रवाई करते हुए आयातित सेब पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। इससे जहां तुर्किये को करार जवाब मिलेगा, वहीं हिमाचल के बागवानों को भी इसका लाभ मिलेगा।

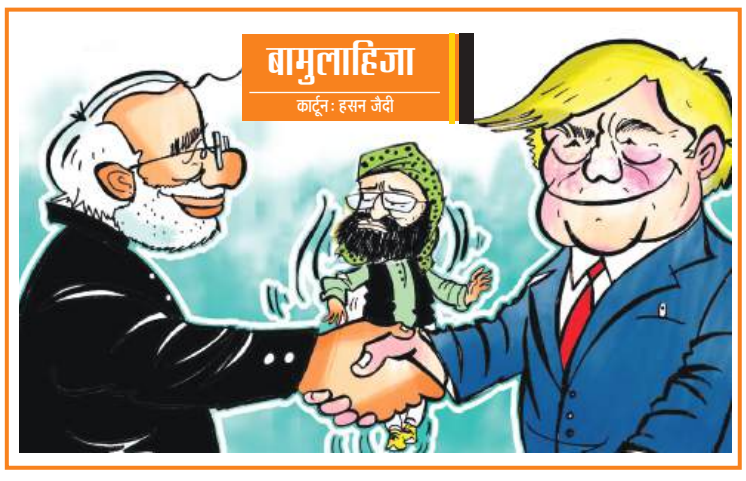

बब्बन सिंह पार्टी से निष्कासित प्रदेश नेतृत्व ने जारी किया लेटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बलिया के भाजपा नेता बब्बन सिंह के खिलाफ कथित वीडियो को लेकर कार्रवाई कर दी गई। गुरुवार की देर शाम उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। यह एक्शन उनके उस वीडियो पर लिया गया है, जिसमें वे अश्लील हरकत करते नजर आ रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद सिंह चौधरी के निर्देश पर विधायक गोविंद नारायण शुक्ल ने कार्रवाई पत्र भी जारी किया है। बब्बन सिंह रघुवंशी को पार्टी से निष्कासित करने का आदेश दे दिया गया है।

दुश्मन का दोस्त दुश्मन होता है

बायकॉट तुर्की का बढ़ता दायरा

» भारतीय कंपनियां और संस्थान तुर्की के साथ तोड़ रहे हैं अपने रिश्ते

» तुर्की ने भारत-पाक युद्ध में दिया था पाकिस्तान का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बायकाट तुर्की का दायरा तेजी से आगे बड़ रहा है। भारत की लगभग सभी शिक्षण संस्थानों ने तुर्की के साथ हुए सभी समझौतों को निरस्त कर दिया है। वहीं अदाणी एयरपोर्ट्स ने तुर्की की कंपनी ड्रैगनपास के साथ संबंध तोड़े का एलान कर दिया है।

वहीं धीरे—धीरे तुर्की का विरोध जनमानस भी करने लगा है और यूपी की राजधानी लखनउ में वहां के ना ?गरिकों ने तुकी का झंडा जलाया और वहां के समानों का बायकाट करने की अपील की। गुरूवार को देश के सबसे बड़े शैक्षिणक संस्थान जामिया मिलिया इस्लामिया ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए तुर्की के सभी शिक्षण संस्थानों के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) को निलंबित कर दिया है। यह निर्णय भारत और तुर्की के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच लिया गया है।

जेएनयू ने भी निलंबित किया समझौता

14 मई को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने तुर्की के इनोनु विश्वविद्यालय के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापन को निलंबित कर दिया। जेएनयू की कुलपति प्रो. संतिश्री धुलीपुडी पंडित ने बयान में कहा यह एमओयू अन्य शैक्षणिक समझौतों की तरह था जिसका उद्देश्य अनुसंधान और शिक्षण में सहयोग को बढ़ावा देना था। स्कूल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर में एक फैकल्टी सदस्य तुर्की की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर केंद्रित है, जबकि स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज विश्व मामलों में तुर्की से जुड़ा है।

कानपुर यूनिवर्सिटी ने भी छोड़ा साथ

कानपुर विश्वविद्यालय ने भी तुर्की के इस्तांबुल विश्वविद्यालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) को रद्द कर दिया है। इस बीच, दिल्ली विश्वविद्यालय अपने अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समझौतों की समीक्षा कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा हम सभी एमओयू की समीक्षा कर रहे हैं और कोई भी निर्णय समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने तुर्की की कंपनी ड्रैगनपास के साथ तोड़े संबंध

अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने गुरुवार को चीनी कंपनी ड्रैगनपास के साथ अपनी नई साझेदारी को तत्काल समाप्त करने की घोषणा की। चीन की यह कंपनी एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस सेवाएं प्रदान करती थी। कंपनी का कहना है कि इससे यात्रा अनुभव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी के एक प्रवक्ता ने पुष्टि करते हुए कहा है कि ड्रैगनपास के ग्राहकों को अब अदाणी द्वारा प्रबंधित एयरपोर्ट पर लाउंज तक पहुंच नहीं मिलेगी हालांकि इस बदलाव से अन्य यात्रियों के लाउंज और यात्रा अनुभव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट ने एक बयान जारी कर कहा है कि ड्रैगनपास के साथ हमारी संधि जो एयरपोर्ट लाउंज तक पहुंच प्रदान करती थी तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई है। ड्रैगनपास के ग्राहकों को अब अडानी द्वारा प्रबंधित एयरपोर्ट पर लाउंज तक पहुंच नहीं मिलेगी। इस बदलाव का एयरपोर्ट लाउंज और अन्य ग्राहकों के यात्रा अनुभव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कंपनी के एक प्रवक्ता ने पुष्टि करते हुए कहा है कि ड्रैगनपास के ग्राहकों को अब अदाणी द्वारा प्रबंधित एयरपोर्ट पर लाउंज तक पहुंच नहीं मिलेगी हालांकि इस बदलाव से अन्य यात्रियों के लाउंज और यात्रा अनुभव पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

तुर्की के खिलाफ लखनऊ में हुआ जोरदार प्रदर्शन

तुर्की के बहिष्कार के लिए लखनऊ के एतिहासिक छोटे इमामबाड़े में लोग इक्टठा हुए और नारेबाजी की। इस प्रर्दशन में लखनऊ के विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने भाग लिया। यह विरोध तुर्की द्वारा पाकिस्तान के समर्थन में दिए गए बयानों और कार्यों के प्रति नाराजगी के रूप में सामने आया। प्रदर्शनकारियों ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को अच्छे और बुरे समय में साथ देने की बात कही थी। इस बयान को भारत के खिलाफ तुर्की की नीति के रूप में देखा गया विशेषकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को समर्थन देने के संदर्भ में। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने तुर्की से आयातित वस्तुओं के बहिष्कार की मांग की और व्यापारिक संबंधों को समाप्त करने का आह्वान किया। व्यापारिक समुदाय ने तुर्की से मार्बल और अन्य उत्पादों के आयात को रोकने की बात कही, जो भारत में व्यापक रूप से उपयोग होते हैं।

संबंधों में दरार

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के भारत-विरोधी रुख का आरंभ कश्मीर मुद्दे से जुड़ा रहा है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद तुर्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में खुले तौर पर पाकिस्तान का समर्थन किया और भारत की आंतरिक नीति की आलोचना की। यह वह क्षण था, जब भारत ने पहली बार तुर्की को स्पष्ट संदेश दिया कि उसके इस रुख को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद तुर्की ने पाकिस्तान के साथ सैन्य और कूटनीतिक संबंधों को और प्रगाढ़ किया, जिससे भारत की चिंताएं बढ़ीं। खासकर दक्षिण एशिया में तुर्की की बढ़ती गतिविधियों और भारतीय मुस्लिम समुदाय के साथ सांस्कृतिक प्रभाव स्थापित करने के प्रयासों को भारत ने एक रणनीतिक खतरे के रूप में देखना शुरू किया। भारत ने कई बार स्पष्ट किया कि कश्मीर उसका आंतरिक मामला है और बाहरी हस्तक्षेप अस्वीकार्य है।

2023-24 में भारत और तुर्की के बीच व्यापारिक रिश्तों में भी खटास आनी शुरू हुई। भारत में 'बॉयकॉट तुर्की' ट्रेंड करने लगा, व्यापारिक संगठनों ने तुर्की के उत्पादों—जैसे मार्बल, टाइल्स और टेक्सटाइल—का बहिष्कार करना शुरू कर दिया। लखनऊ, दिल्ली और हैदराबाद जैसे शहरों में तुर्की विरोधी प्रदर्शन भी हुए। तुर्की द्वारा पाकिस्तान को हर हाल में समर्थन देने की घोषणा के बाद भारतीय नागरिकों की नाराज़गी और भी बढ़ गई।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सेना पर बयानबाजी क्या राष्ट्रवाद है!

हालिया भारत-पाक युद्ध के बाद, देशभक्ति का उफान पूरे राष्ट्र में महसूस किया गया। लेकिन इस लहर के बीच कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा दिए गए बयान चिंता का कारण बन गए हैं। विशेषकर विजय शाह का बयान, जिसमें उन्होंने सेना की रणनीति पर सवाल उठाए और अप्रत्यक्ष रूप से सैनिकों के फैसलों को राजनीतिक निर्देशों से जोड़ा वह न केवल आपत्तिजनक है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी खतरनाक संकेत देता है।

भारत की सेना एक पेशेवर और राजनीतिक प्रभावों से मुक्त संस्था है। सेना के निर्णय रणनीतिक सैन्य आवश्यकता और जमीनी हालात के मुताबिक लिए जाते हैं न कि किसी पार्टी विशेष की सुविधा के अनुसार। जब कोई नेता सेना के पराक्रम या उसकी सीमाओं पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करता है तो इससे न केवल जवानों का मनोबल टूटता है बल्कि दुश्मन देशों को भी अनावश्यक संदेश मिलता है। इस समय जबकि देश को एकजुटता की सबसे अधिक आवश्यकता है नेता यदि अपनी राजनीतिक दुकानदारी के लिए सेना को घसीटें तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। विजय शाह के बयान के बाद सोशल मीडिया पर दो तरह की प्रतिक्रियाएं दिखीं एक पक्ष ने इसे सच्ची बात कहने की हिम्मत बताया वहीं दूसरा पक्ष इसे राष्ट्रविरोधी वक्तव्य करार दे रहा है। लेकिन सवाल यह है कि सच्चाई कहने की जिम्मेदारी क्या बिना तथ्यों के निभाई जा सकती है?

सत्ता पक्ष हो या विपक्ष-सेना को राजनीति से दूर रखना एक सामूहिक जिम्मेदारी है। जिस तरह न्यायपालिका और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाना लोकतंत्र को कमजोर करता है, उसी तरह सेना की साख पर हमला करना राष्ट्र की सुरक्षा के स्तंभों को हिला देता है। समय आ गया है कि सभी राजनीतिक दल सेना को अपनी बयानबाज़ी से बाहर रखें। यदि कोई आलोचना करनी भी हो तो रक्षा नीति पर करें न कि उन जवानों पर जो सीमाओं पर जीवन दांव पर लगाते हैं। मीडिया को भी चाहिए कि वह ऐसे बयानों को सनसनी के बजाय संयम से प्रस्तुत करे। देशभक्ति नारों से नहीं जिम्मेदार व्यवहार से साबित होती है। और अगर यह मूल मंत्र राजनीतिक नेताओं को समझ में आ जाए तो हम एक और युद्ध के बिना ही बड़ी जीत हासिल कर सकते हैं।

“ इस समय जबकि देश को एकजुटता की सबसे अधिक आवश्यकता है नेता यदि अपनी राजनीतिक दुकानदारी के लिए सेना को घसीटें तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। विजय शाह के बयान के बाद सोशल मीडिया पर दो तरह की प्रतिक्रियाएं दिखीं एक पक्ष ने इसे सच्ची बात कहने की हिम्मत बताया वहीं दूसरा पक्ष इसे राष्ट्रविरोधी वक्तव्य करार दे रहा है। लेकिन सवाल यह है कि सच्चाई कहने की जिम्मेदारी क्या बिना तथ्यों के निभाई जा सकती है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत की अनमोल धरोहर की नीलामी

शिवकान्त शर्मा

हांगकांग में होने वाली भगवान बुद्ध के अनमोल श्रद्धा रत्नों की नीलामी ने एक बार फिर इस बात पर बहस छेड़ दी है कि क्या विश्व की अनमोल सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को नीलाम होने देना सही है? गत सप्ताह जिन 371 रत्नों और स्वर्ण एवं रजत पत्रकों की नीलामी होने वाली थी वे आज से लगभग सवा सौ साल पहले 1898 में उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जिले के पिपरहवा गांव में एक बौद्ध स्तूप की खुदाई में मिले थे। पिपरहवा नेपाल की सीमा पर स्थित है और माना जाता है कि शाक्य गणराज्य की राजधानी कपिलवस्तु यहीं पर थी। खुदाई इस इलाके के ब्रितानी जमींदार विलियम क्रैक्सटन पेपे ने कराई थी जो पेशे से इंजीनियर थे। खुदाई में 130 फुट व्यास वाले ईंटों से बने स्तूप के भीतर पत्थर का एक संदूक मिला था जिसमें पांच पाषाण कलश थे। इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियों और भस्म के साथ 1800 से अधिक मोती, माणिक, पुखराज और नीलम जैसे रत्न और सोने व चांदी के पत्रक रखे थे जिन पर बौद्ध आकृतियां बनी हुई थीं। इनमें से एक कलश पर ब्राह्मी लिपि में प्राचीन पाली में लिखा था कि 'इस स्मारक स्तूप में भगवान बुद्ध की वे अस्थियां विराजमान हैं जो उनके शाक्यवंशी स्वजनों को मिली थीं।'

कुशीनगर में भगवान बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद उनकी अस्थियां शाक्यवंशियों ने चारों दिशाओं से आए आठ गणराज्यों के प्रतिनिधियों में बांट दी थीं ताकि वे अपने-अपने यहां स्तूप बनाकर उनकी स्थापना कर सकें और अधिक से अधिक लोग उनका दर्शन करने जा सकें। इस प्रकार अस्थियां आठ गणराज्यों के स्तूपों में रखी गई थीं। माना जाता है कि पिपरहवा का स्तूप उन्हीं में से एक है जिसे एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध के शाक्यवंशियों के लिए बनवाया था। इसलिए इसे पुरातत्व की सबसे बड़ी खोजों में गिना गया। स्तूपों में बुद्ध की अस्थियों के साथ बहुमूल्य रत्न, सोने और चांदी के पत्रकों और मुद्राओं को रखने की परंपरा भी थी जिसके लिए लोग दिल खोलकर दान देते थे। विलियम पेपे ने अपने रिकॉर्ड में लिखा है कि खोज के पुरातात्विक और धार्मिक महत्व को समझते ही उन्होंने यह धरोहर ब्रितानी सरकार के हवाले कर दी थी। सरकार ने रत्नों और अस्थियों को अलग करते हुए रत्नों का छठा हिस्सा पेपे को दे दिया। बाकी बचे रत्नों और अस्थियों में से कुछ हिस्सा बौद्ध देश थाइलैंड के राजा चूडालंकरण द्वारा भेजे गए भिक्षुदूत को दिया और बाकी कोलकाता और कोलंबो

के संग्रहालयों में भेज दिया था। हांगकांग में जिन रत्नों और सोने-चांदी के पत्रकों की नीलामी की कोशिश हो रही है वे वही हैं जो ब्रितानी सरकार ने विलियम पेपे को दिए थे। नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज ब्रितानी मूल की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो सांस्कृतिक महत्व की धरोहरों की नीलामी करने के कारण अक्सर विवादों में रहती है। छह साल पहले न्यूजीलैंड के माओरी आदिवासियों की काष्ठ कलाकृति की लगभग छह करोड़ रुपये में हुई नीलामी को लेकर विवाद हुआ था और सरकार से कलाकृति वापस लाने की मांगें की गई थीं। भगवान बुद्ध के श्रद्धा रत्नों की नीलामी तो और भी विवादास्पद है। रत्नों की नीलामी विलयम पेपे के परपोते क्रिस पेपे कराना चाहते हैं जो फिल्म निर्माता हैं और हॉलीवुड में काम करते हैं। उनका कहना है कि ये रत्न भगवान बुद्ध की अस्थियों या अवशेषों का हिस्सा नहीं हैं। इन्हें लोगों ने श्रद्धा स्वरूप अस्थियों के साथ रखा था। इनका कोई धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व नहीं है। उन्होंने कई बौद्ध भिक्षुओं, मठों और विद्वानों से पूछने के बाद ही इन्हें नीलाम करने का फ़ैसला किया है ताकि ये किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था के पास चले जाएं जो इनकी सही देखभाल और सार्वजनिक प्रदर्शनी कर सके। उनका कहना है कि उनके परदादा को वही रत्न और पत्रक दिए गए थे जो संग्रह में एक से अधिक संख्या में मौजूद थे। इसलिए जिन्हें नीलाम किया जा रहा है उनके जैसे दूसरे रत्न और पत्रक कोलकाता, बैंकाक और कोलंबो के संग्रहालयों में मौजूद हैं। उनका यह भी कहना है कि उन्होंने इन्हें दान करने के लिए कई बौद्ध मठों और बौद्ध देशों के संग्रहालयों से संपर्क किया था पर कहीं से संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।

लेकिन दुनियाभर के बहुत से बौद्ध मतावलंबी क्रिस पेपे के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं। न ही वे नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज़ के इस दावे से संतुष्ट हैं कि उन्होंने इस नीलामी के सारे नैतिक और कानूनी पक्षों को नाप-तोल कर ही नीलामी करने का फैसला किया था।

लंदन के प्राच्यविद्या एवं अफ़्रीकी अध्ययन संस्थान (सोआस) में दक्षिण एशियाई कला के विशेषज्ञ प्रो. एशली टॉम्सन और संग्रहपाल कोनान चोंग का कहना है कि बौद्ध धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान बुद्ध के अस्थिकलशों में अस्थियों और भस्म के साथ डाले गए श्रद्धा रत्नों को अलग कैसे माना जा सकता है? वे अस्थियों के स्पर्श मात्र से उनका अभिन्न भाग बन चुके हैं। उनका वही महत्व और स्थान होगा जो उनकी अस्थियों का है।

लाहौर केस की स्वतंत्रता आंदोलन में निर्णायक भूमिका

प्रो. बृज भूषण गोयल

लाहौर षड्यंत्र केस, 'क्राउन बनाम सुखदेव एवं अन्य', भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक ऐतिहासिक मुकदमा था। इसमें लुधियाना के नौघरा मोहल्ले में 15 मई, 1907 को जन्मे सुखदेव थापर, भगत सिंह, राजगुरु सहित 22 युवाओं को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों का आरोपी बनाया गया। वर्ष 1920 के दशक में शुरू हुई इन घटनाओं ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी। अंतत: इस क्रांतिकारी त्रिमूर्ति को 23 मार्च, 1931 को फांसी दे दी गई। यह केस आजादी आंदोलन का निर्णायक मोड़ सिद्ध हुआ।

शहीद सुखदेव का जीवन बचपन से ही संघर्षों से भरा रहा। उनके पिता राम लाल थापर का देहांत हो गया जब वे केवल 3 वर्ष के थे। उनका पालन-पोषण उनके ताया अचिंतराम थापर ने लायलपुर (अब पाकिस्तान) में किया, जो स्वतंत्रता संग्राम के समर्थक थे। उनकी गिरफ्तारी ने बालक सुखदेव के मन में ब्रिटिश शासन के प्रति रोष पैदा किया। सुखदेव और भगत सिंह के परिवारों में घनिष्ठ संबंध थे। दोनों ने स्कूली शिक्षा के बाद लाहौर के नेशनल कॉलेज में प्रवेश लिया, जहां उन्हें समाजसेवा और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा मिली और उन्होंने क्रांतिकारी राह चुनी। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान सुखदेव और भगत सिंह को बौद्धिक स्वतंत्रता, विचार अभिव्यक्ति और क्रांतिकारियों की गतिविधियों पर चर्चा का अवसर मिला। वे गंभीर अध्ययन करते थे। लाहौर शिक्षा और क्रांतिकारी गतिविधियों का केंद्र था। मार्च 1926 में भगत सिंह और सुखदेव ने 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की। इसके जरिये पंजाब के युवाओं को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने को प्रेरित किया।

लाहौर के क्रांतिकारी युवाओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और पंजाब के साथियों से मिलकर 8-9 सितंबर 1928 को दिल्ली में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के गठन की घोषणा की। चंद्रशेखर आज़ाद को संगठन कमांडर नियुक्त किया गया, जबकि संगठनात्मक क्षमता देखते हुए सुखदेव को पंजाब प्रभारी बनाया। संगठन का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह था। सहारनपुर, आगरा व लाहौर में बम निर्माण कार्य शुरू किया।

लाहौर में 30 अक्तूबर, 1928 को सुखदेव के नेतृत्व में नौजवान भारत सभा और अन्य राजनीतिक संगठनों ने लाला लाजपत राय के साथ मिलकर साइमन कमीशन के विरोध में प्रदर्शन किया। पुलिस अधीक्षक जेम्स ए. स्कॉट के आदेश पर निर्दय लाठीचार्ज हुआ, जिसमें लाला जी गंभीर घायल हो गए। उन्होंने घायल अवस्था में सभा में कहा, 'मेरी छाती पर लगी एक-एक चोट अंग्रेजी शासन के कफन में कील साबित होगी।' लाला जी की कुछ दिनों बाद मृत्यु हो गई। इस क्रूरता से व्यथित होकर सुखदेव सहित एच.एस.आर.ए. के क्रांतिकारियों ने स्कॉट से बदला लेने का निर्णय लिया। सुखदेव और उनके साथियों ने जेम्स ए. स्कॉट की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। सुखदेव द्वारा बनाई गई योजना के तहत भगत सिंह, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद और जयगोपाल को स्कॉट की हत्या का कार्य सौंपा। 17 दिसंबर 1928 को कार्रवाई की गई, लेकिन गलती से स्कॉट की जगह ए.एस.पी. जे.पी. सांडर्स को गोली मार दी। सभी क्रांतिकारी पहचान बदलकर कलकत्ता रवाना हो गए। कलकत्ता में सुखदेव ने बम निर्माण तकनीक सीखी और पुन: दिल्ली में गतिविधियां बढ़ाने लगे।

1929 में ब्रिटिश सरकार ने दिल्ली विधानसभा में पब्लिक सेफ्टी बिल समेत दो बिल प्रस्तुत किए, जिनका उद्देश्य क्रांतिकारी गतिविधियों को दबाना था जिनके विरोध में एच.एस.आर.ए. ने 8 अप्रैल 1929 को विधानसभा में बम फोड़ने की योजना बनाई। यह कार्य सुखदेव ने भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को सौंपा। बम और पर्चे फेंकने के बाद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाए और अपनी गिरफ्तारी दी। कुछ समय बाद सुखदेव भी गिरफ्तार कर लिए गए। लाहौर में क्रांतिकारी गतिविधियों के पीछे सुखदेव थापर को मुख्य योजनाकार मानते हुए अप्रैल 1929 में एसएसपी हैमिलटन हार्डिंग ने स्पेशल जज की अदालत में एफआईआर दर्ज करवाई जिसमें सुखदेव को प्रथम आरोपी बनाया गया और केस 'ब्रिटिश ताज बनाम सुखदेव तथा अन्य' के नाम से दर्ज किया, जिसे लाहौर षड्यंत्र केस के नाम से जाना गया। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त सहित अन्य क्रांतिकारियों को लाहौर सेंट्रल जेल लाया गया, जहां उन्होंने अमानवीय व्यवहार के विरोध में भूख हड़ताल की। वहीं युद्धबंदियों जैसे सम्मानपूर्ण बर्ताव की मांग की। उन्होंने अदालत में भी आक्रोश जताया।

लाहौर षड्यंत्र केस की सुनवाई 11 जुलाई 1929 को प्रारंभ हो गई थी, लेकिन लगातार टलती कार्यवाहियों के चलते फैसला नहीं हो पाया। तब वायसराय इरविन ने 1 मई, 1930 को लाहौर षड्यंत्र केस अध्यादेश जारी किया। इसके तहत तीन जजों का विशेष ट्रिब्यूनल गठित किया गया। इसका उद्देश्य शीघ्र निर्णय देकर मृत्युदंड यकीनी बनाना था। ट्रिब्यूनल ने 7 अक्टूबर, 1930 को फैसला सुनाया जिसमें सुखदेव थापर को भगत सिंह के साथ मुख्य 'षड्यंत्रकारी' बताया गया, जिसने राजगुरु को निशानेबाज के रूप में शामिल कर सांडर्स की हत्या की योजना को अंजाम दिया। शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को 24 मार्च 1931 को फांसी देने की योजना थी, लेकिन संभावित जनाक्रोश को देखते हुए यह सजा गुप्त रूप से एक दिन पहले, 23 मार्च की सायंकाल को ही दे दी गई। तीनों क्रांतिकारी सुखदेव, भगत सिंह और राजगुरु एक-दूसरे से गले मिले और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों के बीच फांसी के फंदे को चूमते हुए शहीद हो गए।

भीषण गर्मी

घर को ठंडा रखेंगे ये पौधे

गर्मियां शुरू हो चुकी हैं, ऐसे में लोगों को ठंडक की तलाश रहती है, लेकिन हर कोई एसी अफोर्ड नहीं कर पाता। वहीं घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लोग घरों में कई तरह के पेड़-पौधे लगाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ पेड़-पौधे घर के अंदर की गर्मी को कंट्रोल कर हमें ठंडक भी प्रदान करते हैं। आप भी गर्मी के दिनों में इन पौधों को अपने घर के अंदर लगा कर घर को ठंडा रख सकते हैं। घर के अंदर पौधे लगाने के और भी कई फायदे होते हैं, ये हवा को शुद्ध करने से लेकर तनाव के स्तर को कम करने तक सब कुछ करते हैं। पौधों को पॉजिटिव एनर्जी का स्रोत भी माना जाता है। इनसे घर का माहौल सकारात्मक तो रहता ही है, साथ ही घर में रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य भी ठीक बना रहता है। गर्मियों में घर को ठंडा रखने के लिए एलोवेरा, मनी प्लांट, रबर प्लांट, फर्न प्लांट और स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगाएं। ये पौधे न केवल हवा को शुद्ध करते हैं बल्कि घर के तापमान को भी कम करते हैं, जिससे एसी की जरूरत नहीं पड़ती।

खूबसूरती को भी बढ़ाएंगे

स्नेक प्लांट

स्नेक प्लांट को नेचुरल एयर प्यूरिफायर भी कहा जाता है। यह पौधा हवा को नम और ठंडा रखने में मदद करने के साथ घर के अंदर की वायु शुद्ध कर तनाव को भी कम करता है। गर्मी के दिनों में अगर आप अपने घर को ठंडा रखना चाहते हैं, इसके अलावा यह पौधा देखने में भी खूबसूरत होता है, जिस वजह से यह आपके घर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगा। तो गर्मी के दिनों में अगर आप अपने घर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो आप अपने घर में स्नेक प्लांट भी लगा सकते हैं। वहीं, यह पौधा हवा को नम और ठंडा रखने में मदद करता है।

मनी प्लांट

मनी प्लांट का पौधा भले ही आपके घर में पैसा लाने का काम कर ना करे, लेकिन आपके आसपास के वातावरण को ठंडा करने का काम जरुर करेगा। इसलिए आप अपने घर को ठंडा रखना के लिए मनी प्लांट भी लगा सकते हैं। मनी प्लांट का पौधा एयर फिल्टर का भी काम करता है। यह हमारे आसपास के वातावरण को ठंडा करने के साथ घर की खूबसूरती को भी बढ़ाता है।

एरेका पाम

एरेका पाम एक खूबसूरत इनडोर प्लांट में से एक है। इससे घर या ऑफिस कहीं पर भी रखने से घर की शोभा बढ़ाई जा सकती है। वहीं, यह पौल्यूशन को कम करता है और आसपास ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। यह पौधा हवा में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड, फॉर्मैल्डिहाइड, और अन्य हानिकारक तत्वों को सोख लेता है, जिससे हवा शुद्ध होती है और घर में ठंडक बनी रहती है।

फर्न प्लांट

आप इन सब के अलावा इनडोर प्लांट में अगर कोई नए पौधे की तलाश कर रहे हैं, तो आप फर्न प्लांट अपने घर में लगा सकते हैं। क्योंकि यह एक औषधि गुण वाला पौधा है, जो हवा में पाए जाने वाले सभी जहरीले पदार्थ को सुख कर एक अच्छा वातावरण देता है। साथ ही हवा में नमी बरकरार रखता है। इसकी वजह से आसपास का वातावरण ठंडा रहता है।

एलोवेरा प्लांट

गर्मी के दिनों में आप एलोवेरा का पौधा लगा सकते हैं। क्योंकि एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो औषधिय गुणों से भरा रहता है। क्योंकि एलोवेरा हमारे शरीर के लिए भी कई तरह से फायदेमंद होता है, जैसे त्वचा को नमी प्रदान करना, बालों को मजबूत बनाना, पाचन में सुधार करना आदि। साथ ही गर्मी के दिनों में यह घर को ठंडा करने के साथ हवा को शुद्ध करने का भी काम करता है। इसीलिए एलोवेरा का पौधा घर में होना जरूरी होता है। अगर आपने अभी तक इस पौधे को अपने घर में नहीं लगाया है तो इस बार समर सीजन में जरूर अपने घर पर लगाएं।

रबर प्लांट

रबर प्लांट का पौधा भी एक अच्छा एयर प्यूरीफायर है। यह पौधा वातावरण में तापमान को कम करने के साथ ऑक्सीजन को भी बढ़ाता है। यह पौधा आपके घर को हमेशा फ्रेशनेस का एहसास दिलाएगा। रबर प्लांट घर के अंदर की हवा को शुद्ध करने के साथ घर की सुंदरता को भी बनाए रखता है। तो आप रबर प्लांट लगा सकते हैं।

हंसना मना है

पप्पू अपनी पत्नी से: अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी: 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

सन: मॉम, पापा बहुत शरीफ है, मॉम: वो कैसे बेटा, सन: पापा जब भी किसी लड़की को देखते है, तो अपनी एक आंख बंद कर लेते है।

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता: मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी, अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य: बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते.. दे चप्पल!

लड़की- मैं तुम्हारे लिए आग पर भी चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं। लड़का- लव यू जानूं, क्या तुम मुझसे अभी मिलने आ सकती हो, लड़की- पागल हो क्या इतनी धूप में कैसे आ सकती हूं...

कहानी — मजदूर के जूते

एक बार एक शिक्षक संपन्न परिवार से सम्बन्ध रखने वाले एक युवा शिष्य के साथ कहीं टहलने निकले। उन्होंने देखा की रास्ते में पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते उतरे पड़े हैं, जो संभवत: पास के खेत में काम कर रहे गरीब मजदूर के थे जो अब अपना काम खत्म कर घर वापस जाने की तैयारी कर रहा था। शिष्य को मजाक सूझा उसने शिक्षक से कहा कि गुरु जी क्यों न हम ये जूते कहीं झाड़ियों के पीछे छिप जाएं, जब वो मजदूर इन्हें यहां नहीं पाकर घबराएगा तो बड़ा मजा आएगा! शिक्षक गंभीरता से बोले कि किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना ठीक नहीं है। क्यों ना हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिप कर देखें की इसका मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता है! मजदूर जल्द ही अपना काम खत्म कर जूतों की जगह पर आ गया। उसने जैसे ही एक पैर जूते में डाले उसे किसी कठोर चीज का आभास हुआ, उसने जल्दी से जूते हाथ में लिए और देखा की अन्दर कुछ सिक्के पड़े थे, उसे बड़ा आश्चर्य हुआ और वो सिक्के हाथ में लेकर बड़े गौर से उन्हें पलट-पलट कर देखने लगा। फिर उसने इधर-उधर देखने लगा, दूर-दूर तक कोई नजर नहीं आया तो उसने सिक्के अपनी जेब में डाल लिए। अब उसने दूसरा जूता उठाया, उसमें भी सिक्के पड़े थे मजदूर भावविभोर हो गया, उसकी आंखों में आंसू आ गए, उसने हाथ जोड़ ऊपर देखते हुए कहा- हे भगवान, समय पर प्राप्त इस सहायता के लिए उस अनजान सहायक का लाख -लाख धन्यवाद, उसकी सहायता और दयालुता के कारण आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और भूखे बच्चों को रोटी मिल सकेगी। मजदूर की बातें सुन शिष्य की आंखें भर आयीं। शिक्षक ने शिष्य से कहा- क्या तुम्हारी मजाक वाली बात की अपेक्षा जूते में सिक्का डालने से तुम्हें कम खुशी मिली? शिष्य बोला कि आपने आज मुझे जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं जीवन भर नहीं भूलूंगा। आज मैं उन शब्दों का मतलब समझ गया हूं जिन्हें मैं पहले कभी नहीं समझ पाया था कि लेने की अपेक्षा देना कहीं अधिक आनंददायी है। देने का आनंद असीम है। देना देवत है।

कहानी से सीख-हमें इस कहानी से शिक्षा लेते हुए अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार जरूर कुछ न कुछ दान देना चाहिए और जरुरतमंदों की हर संभव मदद करनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

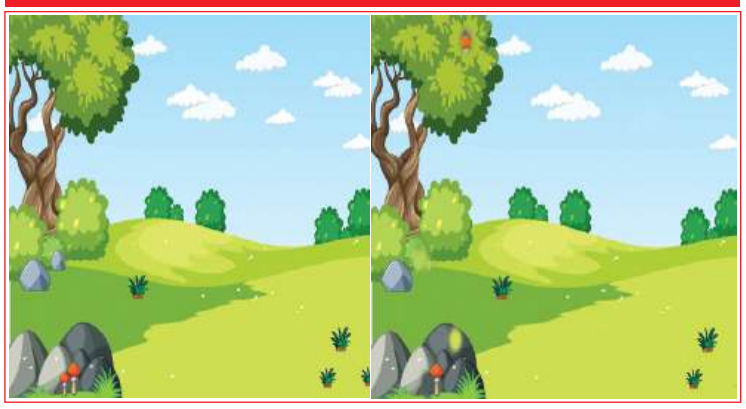

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे।

मकर कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कुम्भ आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान महसूस होगी।

मीन यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हम जो भी करते हैं, कमाल करते हैं : टॉम क्रूज

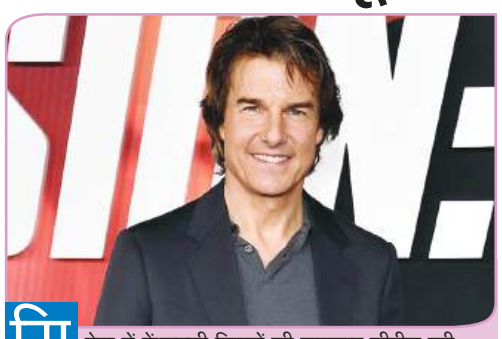

सिनेमा में फ्रेंचाइजी फिल्मों की कामयाब सीरीज रही 'मिशन इंपॉसिबल' की आठवीं कड़ी 'मिशन इंपॉसिबल: द फाइनल रेकनिंग' भारत में अमेरिका से हफ्ता भर पहले रिलीज हो रही है। इस सीरीज में अभिनेता टॉम क्रूज जासूस एथन हंट की भूमिका बीते तीन दशकों से निभाते आ रहे हैं। पूरी दुनिया में अब तक करीब 418 अरब रुपये कमा चुकी 'मिशन इंपॉसिबल' सीरीज की पिछली सात फिल्में सिनेमा के परदे पर हैरतअंगेज कारनामों और असंभव से दिखने वाले स्टंट दृश्यों का पर्याय बन चुकी है। टॉम क्रूज सीरीज की अब तक की कामयाबी की मुबारकबाद पाते ही खिल उठते हैं। अपना पूरा अनुभव वह बस एक वाक्य में निचोड़ लाते हैं, हम जो भी करते हैं, कमाल करते हैं! साल 1996 में शुरू हुई 'मिशन इंपॉसिबल' फिल्म सीरीज की अब आठवीं कड़ी में तमाम पुराने सितारों के साथ कुछ नए चेहरे भी दिखने वाले हैं। तीन दशकों से ज्यादा समय तक, एक किरदार को न सिर्फ निभाना, बल्कि उसे लगातार नई ऊंचाइयों तक ले जाना मामूली बात नहीं है और भी क्रूज मानते हैं कि यह यात्रा अब एक बेजोड़ मुकाम पर पहुंची है। वह कहते हैं, ये फिल्म एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह सब कुछ समेटे हुए है-वो भी, जो हमने पहले सीखा है, और वो भी जो हम अब जाकर समझ पाए हैं। यह फिल्म बहुत शानदार, परतदार है, और जानदार है। 'मिशन इंपॉसिबल' सीरीज की फिल्मों पर अपना ध्यान लगाए रहने वाले तमाम दर्शक जानते हैं कि इस सीरीज की सातवीं और आठवीं फिल्म यानी कि 'डेड रेकनिंग' और 'फाइनल रेकनिंग' की शूटिंग एक साथ हुई है। इस बारे में जिक्र चलते ही टॉम क्रूज हंसने लगते हैं। वह कहते हैं, वह पूरा दौर ही पागलपन भरा था। हमने 'फाइनल रेकनिंग' का एरियल सीक्वेंस शूट करना शुरू कर दिया था, जबकि 'डेड रेकनिंग' अभी पूरी भी नहीं हुई थी। लेकिन ये ऐसी मेहनत थी जो हमें करनी ही थी। यह केवल एक किरदार की वापसी नहीं है, यह उसकी आत्मा की यात्रा है।

'केसरी वीर' का ट्रेलर देख पापा खुशी से रो पड़े : आकांक्षा शर्मा

सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रांताओं के हमलों की कहानी कहती फिल्म 'केसरी वीर' से दिल्ली की आकांक्षा शर्मा बतौर लीड हीरोइन डेब्यू कर रही हैं। मैं तो मानती हूं कि ये महादेव की ही कृपा रही होगी कि मुझे सोमनाथ मंदिर पर बनी फिल्म से बड़े परदे पर शुरुआत करने के लिए चुना गया। मेरी ये पहली फिल्म है और मुझे सबसे अच्छा तब लगा जब फिल्म के सारे कलाकारों ने पहले दिन से ही सेट पर मेरा खास ख्याल रखा। फिल्म में सुनील शेट्टी मेरे पिता का किरदार निभा रहे हैं। मैं अपनी पहली फिल्म को लेकर कितनी भी नर्वस रही हूं लेकिन जिस दिन मेरी शूटिंग उनके साथ थी, मुझे ऐसा लगा कि मैं तो इन्हें बरसों से जानती हूं। हमारे घर में उनकी फिल्में खूब देखी जाती थीं। हां, ये सच है कि जब पहले सीन की शूटिंग शुरू हुई तो मैं अपने संवाद ही भूल गई। लेकिन, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जिन सुनील शेट्टी की फिल्में देखकर हम बड़े हुए, उनके साथ अभिनय करने की बात तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोची थी। लेकिन, उन्होंने उस दिन जो गुरुमंत्र दिए, वे बहुत अनमोल हैं। जिस दिन फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, उस दिन मेरे पापा बहुत खुश थे। उनकी आंखों से खुशी के आंसू भी रह रहकर आ रहे थे लेकिन वह शायद किसी को ये दिखाना नहीं चाहते थे और किनारे जाकर अपनी आंखें पोछ रहे थे, तभी मेरे भाई ने चुपके से उनका ये वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

बोलीं- सुनील शेट्टी ने जो गुरुमंत्र दिए वे बहुत अनमोल हैं

रॉबर्ट हैं एक्टिंग के गॉडफादर : खेर

कान फिल्म फेस्टिवल का भव्य आयोजन शुरु हो चुका है। इस समारोह के पहले दिन हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो को पाम डी ओर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। रॉबर्ट डी नीरो को यह लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो द्वारा दिया गया। इस अवॉर्ड के मिलने के बाद से ही दुनियाभर के सितारे रॉबर्ट को बधाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने भी उन्हें बधाई संदेश देते हुए एक्टिंग का गॉडफादर कहा है। अभिनेता अनुपम खेर ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया है। उसमें उन्होंने लिखा, 'प्रिय रॉबर्ट डी नीरो को कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में पाम डी'ओर पुरस्कार के लिए बधाई। आप सचमुच एक्टिंग के गॉडफादर हैं। आपके साथ स्क्रीन साझा करना मेरे लिए सम्मान बात है और आपको अपना दोस्त कहना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इतने सालों में प्रेरणा और प्रतिभा के लिए आपका धन्यवाद। हमेशा प्यार और प्रार्थनाएं।' कान फिल्म फेस्टिवल 2025 के आयोजन की शुरुआत 13 मई को हो चुकी है। यह 78वां फिल्म फेस्टिवल है, जिसमें दुनियाभर के दिग्गज कलाकार शिरकर कर रहे हैं। ये फिल्म फेस्टिवल 24 मई को समाप्त होगा। अुनपम खेर के काम की बात करें तो वह अभिनय के बाद निर्देशन की दुनिया में भी कदम रखने वाले हैं। उनकी फिल्म का नाम है तन्वी द ग्रेट। यह फिल्म बड़े स्टारकास्टों वाली है। फिल्म में तन्वी के किरदार में शुभांगी दत्त के अलावा बोमन ईरानी, इयान ग्लेन, जैकी श्रॉफ, नासिर, पल्लवी जोशी, करन ठक्कर और अरविंद स्वामी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'तन्वी द ग्रेट' की अभी तक रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

कान फिल्म फेस्टिवल में पाम डी ओर पुरस्कार के लिए दी बधाई

यहां कोल्डड्रिंक खरीदना है आसान, पर पीना है नामुमकिन

इस समय भारत के ज्यादातर इलाके में भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जगहों पर मई-जून में ऐसी गर्मी पड़ती है कि पीने का पानी को लेकर समस्या हो जाती है। लेकिन दुनिया के कुछ ऐसे इलाके हैं, जहां सालभर ही ठंड पड़ती है। इसमें नॉर्थ पोल और साउथ पोल शामिल हैं। इन दो इलाकों में सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती है। ऐसे में यहां का तापमान सालभर माइनस में होता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक शख्स ने साउथ पोल से एक वीडियो बनाकर शेयर किया। इस वीडियो में शख्स ने बताया कि साउथ पोल में कोल्डड्रिंक पीना असंभव है। जब उसने ये बात कही तो कई लोगों को इसे मजाक समझा। लेकिन थोड़ी ही देर बाद उसने अपनी कही बात का सबूत भी पेश कर दिया। सबूत को देखते ही लोगों को समझ में आ गया कि वाकई शख्स की बता सच है। वायरल हो रहे वीडियो में शख्स ने साउथ पोल में कोल्ड्रिंक ना पी पाने की बात कही। इसके सबूत के तौर पर उसने कोल्ड्रिंक की कैन दिखाई। इस कैन से शख्स ने गिलास में कोल्ड्रिंक डालने की कोशिश की। लेकिन साउथ पोल में इतनी ज्यादा ठंड होती है कि कैन से गिलास में जाते-जाते ही सारी कोल्ड्रिंक जम गई। इसका वीडियो शख्स ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसे देखने के बाद लोग हैरान रह गए। जिस तरह से कोल्ड्रिंक जम गया उसे देखकर सभी शॉक हो गए। कई लोगों ने कमेंट में शख्स से पूछा कि क्या साउथ पोल में पेशाब करते हुए भी जम जाता है? वहीं एक यूजर ने क्यूरोसिटी जाहिर करते हुए लिखा कि कैन में कोल्डड्रिंक कैसे नहीं जमी थी? एक अन्य यूजर ने लिखा कि वहां का तापमान -62 डिग्री सेल्शियस होता है। ऐसे में चीजें काफी जल्दी जम जाती है।

अजब-गजब | 7 धाराओं से बना है ये 'जादुई' झरना

देखते ही दूर हो जाती है लोगों की टेंशन

नॉर्वे का सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल एक प्राकृतिक आश्चर्य है, जो यहां गाइरेंजरफियॉर्ड में स्थित है। 7 अलग-अलग धाराओं से बना ये झरना बड़ा ही 'जादुई' है, क्योंकि इसकी सुंदरता देखते ही लोगों को ऐसी खुशी और एनर्जी मिलती है कि उनकी सारी टेंशन ही छूमंतर हो जाती है। इस झरने से एक दिलचस्प 'लव स्टोरी' भी जुड़ी है, जिसके बारे में आप शायद ही जानते होंगे! अब इस वॉटरफॉल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ये वीडियो @andriimal नाम के यूजर ने पोस्ट किया है, जिसमें आप अचंभित कर देने वाले इस झरने देख सकते हैं। 'सेवन सिस्टर्स' गाइरेंजरफियॉर्ड में सबसे अधिक फोटो खींचे गए झरनों में से एक है। norway.nordicvisitor.com की रिपोर्ट के अनुसार, सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल को इसका नाम इसकी 7 अलग-अलग धाराओं के कारण ही मिला है, जिनमें से सबसे ऊंची धारा 250 मीटर (820 फीट) की है। जब ये जलधाराओं फियॉर्ड में गिरती हैं, तो बड़ा ही मनमोहक दृश्य बनता है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। बता दें कि फियॉर्ड पानी का एक लंबा, संकीर्ण और गहरा निकाय होता है, जो अक्सर यू-आकार की घाटियों में पाया जाता है, जिनके दोनों और खड़ी चट्टानी दीवारें होती हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि वसंत ऋतु में इस झरना को देखने का बेस्ट समय होता है, क्योंकि तब ये अपने सबसे खूबसूरत रूप में होता है। मार्च से लगभग जुलाई तक

वहां पहाड़ों पर बर्फ पिघलने का समय होता है, जिसकी वजह से तेज बहाव वाली जलधाराएं बहती हैं और झरने अपने स्वाभाविक रूप में अधिक दिखाई देते हैं। इस दौरान झरने की सुंदरता देखते ही बनती है। नॉर्वे का ये झरना अपनी सुंदरता और शांत वातावरण के लिए दुनियाभर में फेमस है। Fjord Norway के अनुसार, इस झरने को 'सेवन सिस्टर्स' कहा जाता है, क्योंकि दूर से देखने पर ये सात महिलाओं के बालों जैसे लगते हैं। सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल के मनमोहक दृश्यों को आनंद लेने के लिए हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट्स यहां आते हैं। अधिकांश लोग नाव से झरने का नजारा देखते हैं। visitnorway.com की रिपोर्ट के मुताबिक, ये झरना देखने में तो सुंदर है, लेकिन इसके साथ एक दिलचस्प 'लव स्टोरी' भी जुड़ी हुई है। स्थानीय किंवदंती के अनुसार, फियॉर्ड के एक साइड पर गिरने वाले इस झरने की 7 धाराएं 'सात बहनों' का प्रतीक हैं, जो सभी अविवाहित थीं और पहाड़ पर डांस करती थीं। फियॉर्ड के दूसरी ओर फायरेन झरना है, जो एक शख्स का प्रतिनिधित्व करता है, उसने इन 'बहनों' को लुभाने के कई असफल कोशिश की, इसलिए उस (झरने) को 'द सुइटर ' भी कहा जाता है, जिसका अर्थ 'प्रेमी' होता है।

मोदी पाक के अंदर क्यों नहीं गये, पीछे क्यों हटे : संजय राउत

प्रधानमंत्री कोई शूरवीर आत्मा नहीं हैं

» बोले- ट्रंप की मदद किसने मांगी है, यह बताएं पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद से शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत लगातार पीएम मोदी पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने मोदी सरकार की विदेश नीति पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा चीन, फ्रांस, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में चुप रहेंगे। चुप रहना उनकी फितरत है। ट्रंप ने एक बार नहीं है बल्कि बार-बार कहा है कि मेरी मध्यस्थता की वजह से यह सीजफायर हुआ है। कल उन्होंने एक शब्द की अदला-बदली की है।

उन्होंने कहा कि मैंने मदद करने की कोशिश की है, उसमें अंतर क्या है? संजय राउत ने कहा, 'ट्रंप की मदद किसने मांगी है, यह बताएं। आपके यहां मदद मांगने कौन आया था, क्या मोदी जी आए थे, जयशंकर आए थे या डिफेंस मिनिस्टर आए थे?' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एप्पल को आदेश दिया है कि वह हिंदुस्तान में अपनी कंपनी मत लगाइए। इस बात का देश खुलासा करे कि ट्रंप ने ऐसा क्यों बोला है। पीएम मोदी हमेशा दबाव में ही काम करते हैं, वे कोई शूरवीर आत्मा नहीं हैं। पाकिस्तान के अंदर क्यों नहीं घुसे, पीछे क्यों हट गए?'

मेरी किताब का विमोचन राहुल गांधी करेंगे

उन्होंने अपनी आने वाली किताब के बारे में बात करते हुए कहा, 'मेरी जो किताब है वह मराठी में है। अंग्रेजी भाषा में भी जुलाई के महीने में वह प्रकाशित होने वाली है, जिसका विमोचन राहुल गांधी करेंगे। कल किताब का विमोचन मराठी में किया जाएगा। इस दौरान जावेद अख्तर और शरद पवार उपस्थित रहेंगे। किताब में बहुत कुछ लिखा है। सिर्फ अमित शाह और मोदी को मत देखिए, मेरी आंखों के सामने भूतकाल में बहुत सी घटनाएं हुई हैं। राउत ने कहा, 'बालासाहेब ठाकरे जी के साथ मैंने जीवन भर काम किया है, जो मैंने देखा है उसमें से कुछ बातें मैंने लिखी हैं। अगर पूरी बातें मैं लिखता तो देश में और सरकार में हाहाकार मच जाता, लेकिन जो एथिक्स है, मैं उसका पालन करता हूं। मैं इसके लिए यह सारी बातें ज्यादा नहीं लिखना चाहता हूं। मैंने सच लिखा है और मैं सच बोलता हूं, पूरी कहानी सच है। मैंने मर्यादा का पालन करके कुछ चीज नहीं लिखी हैं। संजय राउत को पब्लिसिटी की जरूरत नहीं है। देश पहचानता है, जो मैं लिखता हूं वही हमारी पब्लिसिटी होती है। मेरी बात पूरा देश सुनता है। उन्होंने कहा, 'अभी के नेताओं को क्या मालूम 25 साल पहले क्या हुआ? 2014 में मातोश्री पर अमित शाह एक बार आए थे और कहा था कि हम वापस एक बार काम करेंगे।

आसमानी बिजली गिरने से जवान की मौत

» झारखंड में हुआ हादसा, सीआरपीएफ जवान आया चपेट में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने झारखंड में माओवादी विरोधी अभियान के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से हुई सेकंड इन कमांडर महारबाम प्रभु सिंह की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा बल शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता से खड़ा है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अधिकारी का फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि 15 मई 2025 को झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के छोटानागरा क्षेत्र में सीआरपीएफ की 26वीं बटालियन द्वारा माओवादी विरोधी अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान सेकंड-इन-कमांड महारबाम प्रभु सिंह की बिजली गिरने से दुखद मृत्यु हो गई।

सीआरपीएफ इस बहादुर अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस शोक की घड़ी में पूरा बल शोकग्रस्त परिवार के साथ एकजुटता से खड़ा है। महारबाम सिंह के साथ मौजूद सहायक कमांडेंट सुबीर कुमार मंडल भी घायल हो गए। उन्हें तुरंत चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, उन्हें आगे के इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल नोवामुंडी रेफर कर दिया गया। इस घटना में झारखंड पुलिस के दो जवान भी घायल हुए हैं। सीआरपीएफ अधिकारियों ने कहा कि दोनों अधिकारी ऑपरेशन में सबसे आगे थे, जब प्रकृति ने क्रूर प्रहार किया, वो चुनौतीपूर्ण मौसम और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में अपने जवानों का मार्गदर्शन कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है जिससे क्षेत्र में पहले से मौजूद खतरे और बढ़ गए हैं।

शेफाली वर्मा का वनवास समाप्त, टी-20 में वापसी

» इंग्लैंड के खिलाफ 28 जून से शुरू होनी है पांच मैचों की सीरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने सात महीने के लंबे अंतराल के बाद फिर से राष्ट्रीय टी20 टीम में अपनी जगह बनाई है। इंग्लैंड के खिलाफ 28 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए उन्हें टीम में चुना गया है। यह वापसी उनके लिए इसलिए खास है क्योंकि अक्टूबर 2024 तक खराब प्रदर्शन के कारण वे टीम से बाहर थीं। हालांकि, हाल ही में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के लिए उनके शानदार खेल ने उन्हें फिर से प्रमुखता दिलाई।

डब्ल्यूपीएल में शेफाली ने नौ मैचों में 304 रन बनाए और 152 की स्ट्राइक रेट से टीम को मजबूती दी। उनका यह प्रदर्शन उन्हें नैट-साइवर ब्रंट, एलीस पेरी और हेले मैथ्यूज के बाद चौथी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनाता है। खास बात यह है कि भारतीय खिलाड़ियों में वे सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज भी थीं। इस शानदार फॉर्म ने सलेक्टर्स को प्रभावित किया और वे टीम में वापसी करने में सफल रहीं। शेफाली वर्मा की वापसी और टीम में नई प्रतिभाओं का जुड़ना भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक नई उम्मीद जगाता है। आगामी इंग्लैंड दौरा टीम की क्षमता और मानसिक मजबूती की परीक्षा होगा। यह समय भारतीय महिला क्रिकेट के लिए नई उपलब्धियां हासिल करने का है, और यह टीम हर मौके पर देश का नाम रोशन करने को तैयार है।

सलामी बल्लेबाज की सात महीने के बाद हो रही वापसी

प्रतीका और विकेटकीपर यास्तिका की भी वापसी

शेफाली के अलावा टीम में विकेटकीपर यास्तिका भाटिया भी शामिल हैं, जो पिछले नवंबर से कलाई की चोट के कारण बाहर थीं। यास्तिका वनडे टीम का भी हिस्सा हैं और उनकी वापसी टीम के लिए सकारात्मक खबर है। टीम में ऋचा घोष भी विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगी। वहीं टी-20 टीम में युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल को भी जगह मिली है। हाल ही में श्रीलंका में हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में उन्होंने सबसे तेज 500 रन बनाकर इतिहास रच दिया है। प्रतीका ने इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स का रिकॉर्ड तोड़ा, जो नौ पारियों में 500 रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। उन्होंने यह कारनामा केवल आठ मैचों में किया, जो भारतीय महिला क्रिकेट के लिए गर्व की बात है।

शहर में अतिक्रमण पर करें कड़ा प्रहार: नगर आयुक्त

» गर्मी के बढ़ते प्रकोप के चलते बनेंगे कूलिंग जोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नगर निगम की महत्वपूर्ण बैठक में सफाई व्यवस्था पर जोर देने के दिये निर्देश

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार की अध्यक्षता में आज नगर निगम समिति कक्ष में सफाई और अतिक्रमण जैसे अहम मुद्दों पर हाईटेक बैठक आहूत की गयी। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने, मानसून की तैयारी सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए गए। नगर आयुक्त ने शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों और सड़कों से ठेला, खोमचा और पटरी दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी जोनों में नए वेंडिंग जोनों के लिए स्थान चिन्हित किए जाएं तथा अवैध वेंडर्स का सर्वे कर उन्हें इन प्रस्तावित क्षेत्रों में शिफ्ट किया जाए। साथ ही इन वेंडिंग जोनों की सूचना संबंधित थानाध्यक्षों को पत्र के माध्यम से प्रेषित की जाए। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए शहर भर में पेयजल और कूलिंग जोन की पर्याप्त व्यवस्था करने को लेकर इंजीनियरिंग ब्रांच के सभी ईएक्सईएन और जलकल विभाग को निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही शहर में बने सभी स्थाई रैनबसेरों के बाहर भी प्याऊ लगाने के निर्देश दिए हैं।

गौरव कुमार ने आवास योजना पर फोकस करने के दिये निर्देश

नगर आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के सत्यापन को प्राथमिकता पर लेते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी जोनों के अंतर्गत स्थित छोटे, मझोले और बड़े नालों की सफाई को तेज गति से पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा बाढ़ पंपिंग स्टेशनों में संचालित पंपों की मरम्मत और मेंटेनेंस कार्य को समय से पूरा करने तथा ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

एआई और डीपफेक पर सुनवाई आज

» सख्त नियम बनाने की अपील के साथ दाखिल की गयी है अर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआई और डीपफेक मामले को लेकर दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई करेगा। एआई और डीपफेक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सख्त नियम बनाए जाने की मांग के साथ याचिका दाखिल की गई है। मांग की गई है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एआई जेनरेटेड या डीपफेक कंटेंट की पहचान करने और उसे हटाने के लिए नियम बनाए जाएं।

इसमें केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को पक्षकार बनाया गया है। डीपफेक की समस्या वैश्विक और गंभीर बनती जा रही है। तकनीक के जरिए किसी तस्वीर या वीडियो में किसी व्यक्ति की जगह अन्य व्यक्ति की तस्वीर लगा दी जाती है। इससे किसी को भी गुमराह किया जा सकता है और गलत सूचना फैलाई जा सकती है। डीपफेक वीडियो एक बार पोस्ट हो जाए तो शिकायत की जा सकती है। इस पर 72 घंटे में कार्रवाई भी होती है, लेकिन नुकसान यह है कि तब तक वीडियो सोशल मीडिया पर कई बार शेयर हो चुका होता है।

पुतिन और जेलेंस्की के बिना होगी इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन शांति वार्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंकारा/इस्तांबुल। यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रही जंग को खत्म करने के लिए इस्तांबुल में दोनों देशों के बीच शांति बैठक होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इस बैठक में भाग नहीं लेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की एक दिन पहले तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंचे थे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ वार्ता की। वार्ता के बाद अंकारा स्थित यूक्रेनी दूतावास में उन्होंने कहा, रूस के साथ शांति वार्ता को लेकर हम गंभीर हैं। वार्ता में यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति वार्ता के लिए रूस के प्रतिनिधिमंडल में ऐसा कोई नहीं दिखा जो निर्णय लेने वाला हो इसलिए मॉस्को पर संदेह है। शांति वार्ता में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव करेंगे, जिसमें सैन्य और खुफिया अधिकारियों सहित कुछ और लोग शामिल होंगे। जेलेंस्की ने कहा कि, अगर नेताओं के स्तर पर बिना शर्त युद्ध विराम पर चर्चा की जाएगी तो वे चर्चा के लिए तैयार हैं।

हम तैयार हैं : रूस

वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के वरिष्ठ सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की ने कहा कि उनकी टीम के पास बातचीत करने के लिए आवश्यक योग्यताएं हैं और वे रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से संभावित समाधान खोजने और कॉमन ग्राउंड पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इस्तांबुल में रूसी वाणिज्य दूतावास के बाहर राजनयिक ने कहा कि रूस इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ वार्ता को 2022 में बाधित शांति प्रक्रिया की निरंतरता के रूप में देखता है। हमारी टीम का मुख्य उद्देश्य संघर्ष के कारणों को चिह्नित कर स्थायी शांति सुनिश्चित करना है।

दोनों देश सैद्धांतिक रूप से तैयार

अंताल्या में हुई नाटो देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने कहा है कि रूस और यूक्रेन दोनों ने सैद्धांतिक रूप से युद्ध विराम के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की है। हालांकि, दोनों के अपने-अपने विचार हैं। यूक्रेन तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम चाहता है जबकि रूस शांति वार्ता की सफलता के बाद युद्ध विराम का पक्षधर है। फिदान ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता एक निश्चित चरण में पहुंच गई है। अब इन्हें शांति के लिए हर संभव प्रयास करने और एक दूसरे को रियायत देनी चाहिए।

अमेरिका रखे हुए है नजर

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा वाशिंगटन रूस और यूक्रेन के बीच कूटनीति और बातचीत के जरिए विवाद के समाधान का समर्थन करता है। हम अगले कुछ दिनों में इसमें प्रगति देखना चाहते हैं। रविवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ बातचीत शुरू करने की पहल की थी। इस्तांबुल में शुक्रवार को वार्ता हो सकती है। इसमें रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपति शामिल नहीं होंगे।

इजरायल में लाइलाज होता खसरा

इजरायली बच्चे तेजी से आ रहे हैं खसरे की चपेट में

» संक्रमण का कोई ज्ञात स्रोत नहीं आ रहा सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

यरूशलम। इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने खसरे के 16 नए मामलों की सूचना दी है, 20 अप्रैल को पहली बार संक्रमण का पता चला था। तब से अब तक संक्रमितों की कुल संख्या 48 हो गई है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव उन बच्चों पर पड़ा है जो वैक्सीनेट नहीं हुए हैं।

बिना टीकाकरण वाले बच्चों को प्रभावित कर रहे हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया है कि चालीस संक्रमितों की उम्र 18 साल से कम है, और उनमें से किसी को भी वायरस के खिलाफ पूरी तरह से वैक्सीनेट नहीं किया गया है।

ग्यारह नाबालिग और दो वयस्क वर्तमान में अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें गहन देखभाल में तीन बच्चे शामिल हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ये अप्रत्याशित रूप से बड़ी संख्याएं हैं, जो दर्शाती हैं कि यह बीमारी आधिकारिक तौर पर निदान और रिपोर्ट की गई तुलना में अधिक व्यापक है। अधिकांश नए मामलों में संक्रमण का कोई ज्ञात स्रोत नहीं है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों को पिछले सप्ताह आपातकालीन बैठकें आयोजित करनी पड़ीं।

दो खुराकें दी जाती है

इसके जवाब में, मंत्रालय ने कम टीकाकरण दर वाले समुदायों को लक्षित करते हुए बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान शुरू किया है। टीकाकरण संबंधी दिशा-निर्देशों को भी अपडेट किया गया है। इजरायल के नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत, बच्चों को आम तौर पर खसरे के टीके की दो खुराक दी जाती हैं, पहली 12 महीने की उम्र में और दूसरी छह साल की उम्र में। हालांकि, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में, मंत्रालय पहली खुराक के तुरंत बाद दूसरी खुराक देने की सलाह देता है।

विशिष्ट दाने का कारण बनता है खसरा

अधिकारियों ने संक्रमितों के संपर्क में आने वाले लोगों को भी जांच कराने की सलाह दी है। कहा है कि उचित टीकाकरण करवाएं और संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचें। मंत्रालय ने लोगों को विदेश यात्रा करने से पहले अपने टीकाकरण की स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी। खसरा एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है जो आम तौर पर बुखार, थकान, नाक बहना और एक विशिष्ट दाने का कारण बनती है।

अपडेट रहने की सलाह

कुछ मामलों में, यह गंभीर या जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकता है। बढ़ते संकट के जवाब में, स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस सप्ताह मंत्री, महानिदेशक और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रमुख के नेतृत्व में कई आपातकालीन बैठकें कीं। मंत्रालय ने सभी नागरिकों से अपने टीकाकरण की स्थिति की पुष्टि करने और राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों के अनुसार इसे अपडेट करने का आग्रह किया है।

वापस लौटेगा नीरव, लंदन में जमानत अर्जी निरस्त

» भारत ने विशेष तौर पर लंदन भेजा था वकीलों का पैनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में किंग्स बेंच डिवीजन के उच्च न्यायालय ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की जमानत याचिका खारिज कर दी है गौरतलब है कि नीरव इससे पहले भी कई बार अपनी जमानत के लिए असफल कोशिश कर चुका है।

नीरव की याचिका का सरकारी वकील ने कड़ा विरोध किया। भारत के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक बेहद सक्षम टीम ने भी सरकारी पक्ष का समर्थन किया। सीबीआई ने अपने अधिकारियों को इस सुनवाई के लिए विशेष रूप से लंदन भेजा था।

सीबीआई ने सफलतापूर्वक अपना पक्ष रखा, जिसके कारण अदालत ने जमानत से इनकार कर दिया। नीरव मोदी एक भगोड़ा आर्थिक अपराधी है। वह पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े एक बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में मुकदमे के लिए भारत में वांछित है जहां उसने कथित तौर पर 6,498.20 करोड़ रुपए की हेराफेरी की थी। वह 19 मार्च 2019 से ब्रिटेन में कैद है।

ब्रिटेन की कोर्ट ने दी है प्रत्यर्पण की मंजूरी

भारत सरकार के पक्ष में ब्रिटेन के हाई कोर्ट ने उसके प्रत्यर्पण को पहले ही मंजूरी दे दी है। यह 10वीं बार है जब नीरव मोदी ने अपनी गिरफ्तारी के बाद से जमानत हासिल करने का प्रयास किया है सीबीआई लगातार सरकारी वकीलों की टीम के माध्यम से उसकी रिहाई का विरोध कर रही है।
नीरव मोदी पर अपने चाचा मेहुल चोकसी के साथ मिलकर भारत के सबसे बड़े बैंकिंग धोखाधड़ी में से एक को अंजाम देने का आरोप है। दोनों ने कथित तौर पर भारतीय बैंकों से भारी रकम निकालने के लिए मुंबई में पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग (एलओयू) का फायदा उठाया।

नीरव मोदी ने की लगभग 6,498 करोड़ रुपये की ठगी

जांचकर्ताओं का दावा है कि नीरव मोदी ने लगभग 6,498 करोड़ रुपये की ठगी की थी जबकि चोकसी ने कथित तौर पर 7,000 करोड़ रुपए से अधिक के ऋणदाताओं को धोखा दिया। फरवरी 2018 में सीबीआई द्वारा अपना पहला मामला दर्ज करने से ठीक पहले दोनों भारत से भाग गए।

कर्नल सोफिया भारत की बेटी हैं, हम सबको उन पर गर्व है: उपेंद्र कुशवाहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्र की सत्ता में शामिल एनडीए गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने भाजपा के खिलाफ बड़ा बयान दिया है। पार्टी ने मांग की है कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह पर कार्रवाई हो, क्योंकि उन्होंने भारतीय सेना की ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ गलत और अपमानजनक बात कही है। कर्नल सोफिया ने पाकिस्तान के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की अगुवाई की थी। कर्नल सोफिया भारत की बेटी हैं और हम सबको उन पर गर्व है।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में जो बयान दिया है, वह बहुत ही आपत्तिजनक और गैर जिम्मेदाराना है। ऐसा बयान देने की किसी को भी इजाजत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया भारत की बेटी हैं और हम सबको उन पर गर्व है। उनके खिलाफ कोई भी गलत बात कही जाती है तो उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा को इस मामले में जरूर कदम उठाना चाहिए।

भूकंप के झटकों से दहला चीन, 4.5 रही तीव्रता

» विश्व के दूसरे देशों की भी हिली धरती

» जानमाल का विशेष नुकसान नहीं, लेकिन लोगों में डर व्याप्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजिंग। चीन में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भारतीय समयानुसार 6.29 बजे चीन में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर नीचे थी, जिसका अक्षांश 25.05 उत्तर तथा देशांतर 99.72 पूर्व था। यह भूकंप म्यांमार से सटे चीन के इलाके में आया है।

कई अन्य मुल्कों में भी आया जलजला

पिछले एक हफ्ते में दुनिया के कई देशों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान, चीन, तुर्की के अलावा कई देशों में धरती कांपी।
अफगानिस्तान में शुक्रवार रात 1 बजे फिर से भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई। भूकंप के झटकों से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है

तुर्की भी रहा केन्द्र बिंदू

इससे पहले तुर्की में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। बीते दिन गुरुवार को तुर्की में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया था। तुर्की के आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर के बाद महसूस किया गया था। रिक्टर पैमाने पर मध्यम श्रेणी के इस भूकंप का केंद्र कोन्या प्रांत में था, जो देश के सेंट्रल एनाटोलिया क्षेत्र में आता है।

पाकिस्तान में भी आया था भूकंप

चीन के पड़ोसी देश पाकिस्तान में 12 मई को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। हालांकि, इस भूकंप में भी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, पाकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यह भूकंप मध्यम तीव्रता का था और इसका केंद्र बलूचिस्तान में था। इस भूकंप की गहराई 10 किमी नीचे थी, जिसका अक्षांश 29.12 उत्तर तथा देशांतर 67.26 पूर्व था।

हालांकि, इस भूकंप में जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।